पुनःविकसित किए गए सोगरिया रेलवे स्टेशन के उद्घाटन एवं मेमू ट्रेनों के संचालन प्रारंभ किए जाने के अवसर पर माननीय लोकसभा अध्यक्ष जी का भाषण

कोटा संभाग में रेल सुविधाओं और रेल सेवाओं के विस्तार के इस ऐतिहासिक अवसर पर उपस्थित माननीया रेल राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश जी, रामगंजमंडी के विधायक श्री मदन दिलावर जी, बूंदी के विधायक श्री अशोक डोगरा जी, कोटा दक्षिण के विधायक श्री संदीप शर्मा जी, लाडपुरा के विधायक श्रीमती कल्पना देवी जी, पश्चिम मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री सुधीर कुमार गुप्ता जी, उपस्थित गणमान्य नागरिकों, भाइयों और बहनों!

- आज हम सोगरिया रेलवे स्टेशन के लोकार्पण और कोटा संभाग सहित मध्य प्रदेश के सीमावर्ती जिलों तक मेमू ट्रेन सुविधा के शुभारंभ के अवसर पर यहां एकत्रित हुए हैं।

- इस शुभ अवसर पर आप लोगों के चेहरों पर जो खुशी है, आपके मन में जो उत्साह और उल्लास है, उससे इस कार्यक्रम की शोभा और बढ़ गई है।

- सर्वप्रथम, इस अवसर पर मैं आप सभी का हार्दिक अभिनंदन करता हूं एवं आप सभी को नववर्ष की शुभकामनाएं देता हूं।

- नया वर्ष कोटा संभाग के लोगों के लिए नई और बहुप्रतीक्षित सौगातें लेकर आया है। अभी 2 जनवरी को ही हमने करीब 7.5 करोड़ रूपए की लागत से बनने वाले यूथ हॉस्टल का शिलान्यास किया है और आज नए वर्ष के पांचवे दिन पुनःविकसित सोगरिया स्टेशन का लोकार्पण हो रहा है और जनता को मेमू ट्रेन की सौगात मिल रही है।

- आज से पहले सोगरिया में रेलवे स्टेशन तो था, लेकिन यहां ट्रेन रूकती नहीं थीं। यहां के लोगों को ट्रेन में सवार होने के लिए कोटा स्टेशन आना पड़ता था। स्टेशन पर कोई सुविधाएं भी नहीं थी। लोग हमारे पास आते थे, अपनी परेशानी बताते थे।

- आज का दिन यहां की जनता के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। आज हम उन्हें एक बहुत ही भव्य एवं सभी आधुनिक सुविधाओं से युक्त ऐसा रेलवे स्टेशन सौंप रहे हैं जो हमारी संस्कृति के रंगों में रंगा है। इस स्टेशन पर ट्रेनों का ठहराव भी होगा और यहीं से उन्हें आरक्षण की सुविधा भी मिलेगी।

- सोगरिया स्टेशन एक ऐसा भव्य हेरीटेज स्टेशन बना है, जहां से न केवल लोग सफर करने के लिए आएंगे, बल्कि पर्यटक इसकी खूबसूरती को देखने के लिए भी आएंगे।

- इतने भव्य सोगरिया रेलवे स्टेशन के निर्माण के लिए मैं पश्चिम मध्य रेलवे के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों के साथ-साथ यहां की जनता को भी बहुत-बहुत बधाई देता हूं।

- इस भव्य रेलवे स्टेशन के साथ आज हम मेमू ट्रेनों को भी जनता को सौंप रहे हैं। इन मेमू ट्रेनों के संचालन प्रारंभ होने से न सिर्फ रेल यात्रियों बल्कि तमाम स्टेकहोल्डरों को सीधा फायदा होगा।

- संचालन प्रारंभ होने से दैनिक यात्रियों, नगर निवासियों, ग्रामीणों, विद्यार्थियों, व्यापारियों, किसानों, मजदूरों के साथ-साथ नौकरी पेशा करने वाले सभी व्यक्तियों के लिए आवागमन का बेहतर साधन उपलब्ध होगा।
- कोटा सिर्फ शैक्षणिक नगरी नहीं है। यह इस सम्पूर्ण क्षेत्र का औद्योगिक-व्यापारिक केंद्र भी है। कोटा में एशिया की सबसे बड़ी कृषि उपजमंडी है। इसलिए यह कृषि उपज के विपणन का भी बड़ा केंद्र है। कोटा इस संभाग का मुख्यालय भी है।
- कोटा आने-जाने के लिए वैसे तो बहुत सी ट्रेनें हैं, लेकिन ये सभी लंबी दूरी की गाड़ियां हैं जिनका समय कई बार हमारी आवश्यकता के अनुसार सूट नहीं करता है।
- ऐसे में कोटा की जनता की मांग मेमू ट्रेनों की थी, जो उनकी आवश्यकता और सुविधा के समय के अनुसार चले।
- आज हमने कोटा से बीना, कोटा से नागदा और कोटा से झालावाड के लिए मेमू ट्रेनों का संचालन प्रारंभ किया है। मुझे विश्वास है कि अत्याधुनिक सुविधाओं वाली हाइस्पीड मेमू ट्रेन की सुविधा उपलब्ध होने से जनता को उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप सेवाएं उपलब्ध होंगी और उन्हें सुविधाजनक सफर का भी अहसास होगा।
- साथियों, कोटा में रेलवे का इतिहास एक शताब्दी से भी अधिक पुराना है। सन 1907-1908 में यहां पहली बार ट्रेन आई थी। इस 115 वर्ष के सफर में रेलवे ने न सिर्फ यहां काफी प्रगति की, बल्कि रेलवे के कारण सम्पूर्ण कोटा संभाग की अकल्पनीय उन्नति और प्रगति हुई है।
- कोटा आज रेल और रोड कनेक्टिविटी के मामले में राजस्थान का सबसे अग्रणी जिला है, जहां से भारत के सभी बड़े शहरों का सीधा जुड़ाव है।
- रेल और रोड की अच्छी कनेक्टिविटी के कारण यहां काफी उद्योग आए।
- अच्छी कनेक्टिविटी के कारण यहां का व्यापारी फला-फूला, यहां का किसान फला-फूला। अच्छी कनेक्टिविटी के कारण यहां बहुत से लोग रोजगार की तलाश में आए और यहीं बस गए और आज कोटा की देश भर में शैक्षणिक नगरी के रूप में जो ख्याति है, उसमें भी कनेक्टिविटी का अहम योगदान है।
- हम इस कनेक्टिविटी को निरंतर बेहतर बनाने के प्रयास जारी रखे हुए हैं। आपको जानकर खुशी होगी कि कोटा से मुम्बई के बीच हाइस्पीड ट्रेन चलाने की परियोजना पर बहुत तेजी से काम हो रहा है।
- माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व वाली सरकार का लक्ष्य है कि नई दिल्ली से मुंबई के बीच 160 किमी प्रति घंटा की गति से ट्रेन चलाई जाए। इसके लिए पटरियों को बदलने और रेलवे ट्रेक के दोनों ओर बाउंड्री वाल बनाने का काम किया जा रहा है।
- मेरी जानकारी के अनुसार कोटा मण्डल में मथुरा से नागदा तक हाई स्पीड ट्रेन चलाने के लिए जहां-जहां आवश्यकता थी, वहां पटरियां बदलने का काम पूरा हो चुका है। मथुरा-नागदा ट्रेन में हाई स्पीड से ट्रेन संचालन का ट्रायल भी हो चुका है।

- जब कभी भविष्य में पूरे रेल रूट का काम पूरा हो जाएगा, तो ट्रेनें तेज गति से दौड़ने लगेंगी। इसके बाद कोटा से दिल्ली पहुंचने में तीन-साढ़े तीन घंटे और मुम्बई पहुंचने में 8 से 10 घंटे का समय लगेगा।

- दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रीयल कॉरिडोर का काम भी तेजी से चल रहा है। इस कॉरिडोर का सबसे बड़ा हिस्सा राजस्थान में ही है। यह औद्योगिक गलियारा भी विकास के नए आयाम स्थापित करेगा। इस कॉरिडोर से कोटा संभाग को भी बड़ा लाभ मिले। हमारा प्रयास है कि कोटा में रेल, रोड कनेक्टिविटी और बढ़े जिससे पूरे संभाग के नागरिक और अधिक समृद्ध हो सकें।

- साथियों, कोटा आज रोड के माध्यम से सभी बड़े शहरों से जुड़ा हुआ है। दिल्ली से मुम्बई के बीच बन रहा नया ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे तो एक नई क्रांति लेकर आ रहा है। इस एक्सप्रेस वे के निर्माण के पीछे एक बड़ी सोच है और वह बड़ी सोच है भारत के नवनिर्माण की।

- **मेरे साथियों, यह ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे देश में रोड कनेक्टिविटी के क्षेत्र में नए युग का सूत्रपात करेगा। कोटा के लिए भी यही एक्सप्रेस वे वरदान साबित होने वाला है। अक्टूबर-नवंबर, 2023 में इसका निर्माण कार्य पूरा होने के बाद सड़क मार्ग से कोटा से दिल्ली की दूरी महज 4 घंटे की रह जाएगी। कोटा से मुंबई आप 10 घंटे में पहुंच जाएंगे। सूरत, बड़ौदा, इंदौर, जयपुर जैसे बड़े शहर भी पहले से आधे समय में पहुंचा जा सकेगा।**

- **यह दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेस-वे कोटा के लिए तो वरदान ही साबित होगा। इसके बनने के बाद कोटा में लॉजिस्टिक इंडस्ट्री की एक्स्पोनेंशियल ग्रोथ की संभावनाएं जताई जा रही है, जो यहां नए रोजगार, नए व्यापार और नए कामों को जन्म देगी।**

- **दोस्तों, अब हमारा फोकस एयर कनेक्टिविटी पर भी है। कोटा में एयरपोर्ट निर्माण को लेकर सारी तैयारियां पूरी हो गई हैं। हम बस जमीन मिलने का इंतजार कर रहे हैं। जिस दिन भी राजस्थान सरकार जमीन सौंप देगी, उसके छह महीने के अंदर शंभूपुरा में नए ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट का निर्माण का काम प्रारंभ होने की संभावना है। वैसे तो ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट बनने में कम से कम 2 वर्ष लगते हैं, लेकिन हमारी कोशिश होगी कि डेढ़ वर्ष में हम इसके निर्माण का कार्य पूरा कर लें।**

- साथियों, जरा कल्पना कीजिए हमारी, रोड कनेक्टिविटी और बढ़िया हो जाएगी, हमारी रेल कनेक्टिविटी बढ़िया हो जाएगी और जब हमारी एयर कनेक्टिविटी भी बढ़िया हो जाएगी
तो यह कोटा संभाग देश के मानचित्र में कहां होगा। पूरे देश की निगाहे हमारे कोटा-बूंदी की तरफ ही होंगी।

- न केवल यहां पढ़ने आने वाले बच्चों और उनके अभिभावकों को आसानी होगी बल्कि रामगंजमंडी में धनिया और कोटा स्टोन खरीदने आने वाले व्यापारियों को सुविधा मिलेगी। इतना ही नहीं, कोटा में मुकुंदरा और बूंदी में रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व में जंगल सफारी करने, चंबल नदी में वाटर सफारी करने के लिए आने वाले

पर्यटकों का सफर और आसान हो जाएगा। दूसरे शब्दों में कहूं, तो अभी से चार साल बाद कोटा-बूंदी के लिए आर्थिक संपन्नता के नए द्वार खुलेंगे।

- **दोस्तों, सम्पूर्ण कोटा संभाग के निवासी मेरे परिवार जैसे ही हैं। मेरी सदा कोशिश यही रहती है कि मैं आप सब लोगों की परेशानियों का शीघ्र समाधान कर सकूं।**
- आज हम रेलवे के कार्यक्रम में आए हैं, तो रेलवे से जुड़े कामों की चर्चा आपके साथ करना चाहूंगा।
- करीब 11 करोड़ की लागत से अलनिया, रांवठा रोड, कंवलपुरा, कापरेन, लबान, घाट का बाराना, अरनेठा और गुरला स्टेशन पर फुट ओवर ब्रिज बनाए जा रहे हैं।
- वही डाढ़देवी, अलनिया, रांवठा रोड, दरा, कंवलपुरा और मोड़क स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं के विस्तार के लिए 2 करोड़ के कार्य किए जा रहे हैं।
- धार्मिक महत्व को देखते हुए 1.89 करोड़ की लागत से इंद्रगढ़ स्टेशन का विस्तार किया जा रहा है। वहां पर 1 करोड़ की लागत से फुटओवर ब्रिज का विस्तार, प्रतीक्षालय व वाशरूम बनाए जा रहे हैं।
- व्यापारिक दृष्टि से महत्वपूर्ण रामगंजमंडी स्टेशन पर भी करीब 2.5 करोड़ के विकास कार्य करवाए जा रहे हैं, जिनमें स्टेशन के सर्कुलेटिंग क्षेत्र का विकास, फुटओवर ब्रिज का विस्तार, ट्रेन डिस्प्ले बोर्ड लगाने के साथ-साथ शौचालय की व्यवस्था एवं वाटरबूथ लगाए जाने का कार्य इत्यादि शामिल हैं।
- करीब 3.6 करोड़ की लागत से लाखेरी, कापरेन, केशवरायपाटन तथा बूंदी स्टेशन पर विभिन्न विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। वही 10.67 करोड़ रूपए की लागत से दरा स्टेशन के प्लेटफार्म की ऊंचाई बढ़ाई जा रही है।
- 1.08 करोड़ रुपए की लागत से कोटा (प्लेटफार्म 3), डकनिया तालाब, बूंदी और लाखेरी स्टेशन पर कोच गाइडेंस सिस्टम लगाए जा रहे हैं।
- 23.87 लाख की लागत से रामगंजमंडी, बूंदी, लाखेरी तथा इंद्रगढ़-सुमेरगंजमंडी स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में प्रकाश व्यवस्था में सुधार किया जा रहा है।
- रामगंजमंडी-भोपाल रेल लाइन के लिए इस वर्ष 470 करोड़ रूपए स्वीकृत किए गए हैं। इस रेल लाइन के लिए रामगंजमंडी से जूनाखेड़ा तक 47 किमी का काम पूरा हो चुका है।
- इस वित्तीय वर्ष के अंत तक जूनाखेड़ा से अकलेरा तक का 27 किमी का काम पूरा होने की संभावना है।
- ग्वालियर-दीगोद रेल लाइन के कार्य को भी रेल मंत्रालय द्वारा प्राथमिकता से लिया जा रहा है।
- साथियों, इससे बड़ी खबर यह है कि 185 करोड़ रूपए की लागत से कोटा रेलवे स्टेशन के रिडव्लपमेंट का काम इसी वर्ष प्रारंभ हो जाएगा।

- हम कोटा रेलवे स्टेशन को वर्ल्ड क्लास बनाने जा रहे हैं। कोटा रेलवे स्टेशन की बिल्डिंग के ऐतिहासिक स्वरूप को बरकरार रखते हुए उसे एक नया लुक दिया जाएगा। स्टेशन के लिए एक नया प्रवेश द्वार भी बनाया जाएगा। यहां पर 8 नई लिफ्ट, 14 एस्केलेटर लगाने के साथ-साथ सर्व सुविधा युक्त आधुनिक वेटिंग हॉल बनाया जाएगा। इसमें हमारे दिव्यांग भाई-बहिनों के लिए भी विशेष प्रावधान किए जाएंगे। ट्रेनों की सूचना देने के लिए आधुनिक सूचना बोर्ड और कोच गाइडेंस सिस्टम लगाए जाएंगे।

- दोस्तों, आप सभी को विदित है कि कोटा शहर का विस्तार बहुत तेजी से हो रहा है। कोटा के कोचिंग हब बनने के बाद वहां गाड़ियों के ठहराव की मांग भी बढ़ी है। ऐसे में रेलवे द्वारा डकनिया तलाव को कोटा के सैटेलाइट स्टेशन के रूप में भी विकसित करने की योजना बनाई जा रही हैं।

- करीब 85 करोड़ की लागत से होने जा रहे विकास कार्यों के बाद हम डकनिया रेलवे स्टेशन पर गाड़ियों का ठहराव सुनिश्चित कर पाएंगे।

- डकनिया तलाव स्टेशन पर लूप लाइन बिछाने, एफओबी का निर्माण, यात्रियों के आने व जाने के लिए अलग-अलग द्वार, वीआईपी रूम और वीआईपी लाउंज की व्यवस्था, 5 लिफ्ट, 6 एस्केलेटर, कोच गाइडेंस सिस्टम, ट्रेन इंफोर्मेशन सिस्टम, ये सभी कार्य इसी वर्ष प्रारंभ हो जाएंगे। कोटा और डकनिया स्टेशन का निर्माण कार्य पूरा होने के बाद इन दोनों स्टेशनों से यात्रा करने यात्रियों के लिए अलग ही अनुभव होगा।

- साथियों, रेलवे हमारी प्रतिदिन की सहभागी है। भारत का रेल नेटवर्क आज दुनिया में सबसे विशाल है। इसके बावजूद यह आवागमन का सबसे सस्ता, सुलभ और सुरक्षित माध्यम है।

- यद्यपि हम बुलेट ट्रेन के युग में प्रवेश करने की दिशा में अग्रसर हैं और रेल प्रशासन अपने स्तर पर सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। हमें भी इसमें सहयोगी बनना होगा।

- हम रेल यात्रा के दौरान नियमों की पालना करें, साथ ही हम सभी यात्रियों को चाहिए कि रेलवे में स्वच्छता बनाने में अपना सहयोग दें। इसमें हमारी सामूहिक सहभागिता होनी चाहिए।

- दोस्तों, जब रेल का विकास होता है तो आमजन का विकास होता है। जब रेल सेवाओं का विस्तार होता है तो आमजन की जिंदगी सरल बनती है। देश के आर्थिक विकास के नए अवसर उपलब्ध होते हैं।

- मेरा भी पूरा प्रयास रहेगा कि कोटा और बूंदी ही नहीं, कोटा मंडल के प्रत्येक स्टेशन का विकास जनता की भावनाओं, आशाओं और अपेक्षाओं के अनुरूप किया जाए।

- गांव में रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति को सस्ती, सुलभ और सुरक्षित रेल सुविधा का लाभ मिले। इसके लिए आपकी राय और सुझाव के अनुसार मेरे प्रयास निरंतर जारी रहेंगे।

- साथियों आज जिन परियोजनाओं का लोकार्पण किया गया है उससे निश्चित रूप से इस क्षेत्र के निवासियों के जीवन में व्यापक बदलाव आएगा। हाड़ौती क्षेत्र के निवासियों के जीवन में समृद्धि और खुशहाली आएगी।

- जब कोई रेलवे स्टेशन बनता है तो उसे मात्र यात्रियों को ही लाभ नहीं होता, बल्कि उसके आसपास के क्षेत्रों का भी आर्थिक विकास होता है। उनके लिए समृद्धि के नए मार्ग खुलते हैं।
- अभी कोटा मंडल में कई रेल परियोजनाएं चल रही हैं जिन पर कार्य पूर्ण होना बाकी है। मुझे विश्वास है कि आने वाले कुछ वर्षों में हम सब के सामूहिक प्रयासों से संपूर्ण कोटा मंडल विकास और समृद्धि के नए आयाम को प्राप्त करेगा।
- एक बार पुनः यहां उपस्थित सभा को नव वर्ष की शुभकामनाएं।
- एक बार फिर मैं पश्चिम मध्य रेलवे के सभी माननीय अधिकारियों और कर्मचारियों को उनके समय पर पूर्ण किए गए उत्कृष्ट कार्य के लिए धन्यवाद देता हूं।

जय हिंद।